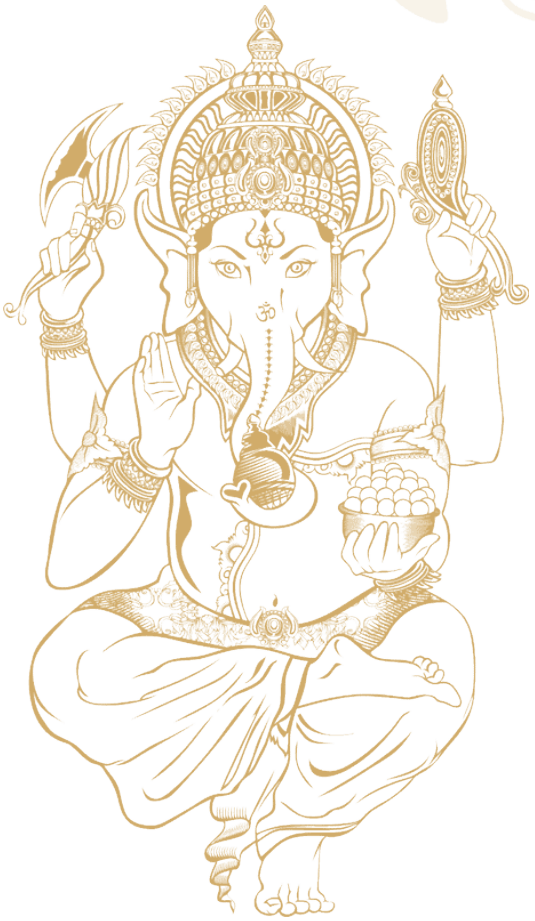

A

Archana shukla

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121688102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/04/1992	जन्म तिथि	05/10/1992
मंगल-बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:32:00	जन्म समय	23:20:00 घंटे
घटी 50:14:25	जन्म समय(घटी)	43:28:00 घटी
India	देश	India
Gonda	स्थान	Lucknow
27:08:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
81:58:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:08	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:14	सूर्योदय	06:00:57
18:34:00	सूर्यास्त	17:48:17
23:45:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 5वर्ष 11मा 14दि	25:23:22	मक	लग्न	मिथु	20:17:59	चन्द्र 8वर्ष 0मा 4दि
बुध	15:00:52	मेष	सूर्य	कन्या	18:58:40	गुरु
13/04/2017	28:22:13	कुंभ	चंद्र	मक	12:39:02	10/10/2025
13/04/2034	00:48:45	मीन	मंगल	मिथु	18:38:20	10/10/2041
बुध 09/09/2019	18:30:16	मीन	बुध	तुला	03:39:50	गुरु 28/11/2027
केतु 05/09/2020	10:53:01	सिंह व	गुरु	कन्या	05:13:00	शनि 11/06/2030
शुक्र 07/07/2023	02:46:32	मेष	शुक्र	तुला	19:11:21	बुध 16/09/2032
सूर्य 13/05/2024	24:01:10	मक	शनि व	मक	18:08:57	केतु 22/08/2033
चन्द्र 12/10/2025	08:26:50	धनु व	राहु व	धनु	00:52:16	शुक्र 22/04/2036
मंगल 09/10/2026	08:26:50	मिथु व	केतु व	मिथु	00:52:16	सूर्य 09/02/2037
राहु 28/04/2029	24:14:31	धनु व	हर्ष	धनु	20:21:11	चन्द्र 11/06/2038
गुरु 04/08/2031	25:11:04	धनु व	नेप	धनु	22:26:17	मंगल 18/05/2039
शनि 13/04/2034	28:10:58	तुला व	प्लूटो	तुला	27:35:03	राहु 10/10/2041

लग्न-चलित

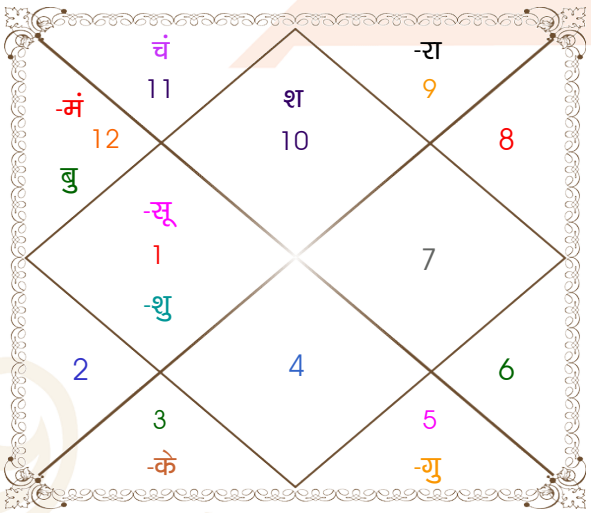

लग्न-चलित

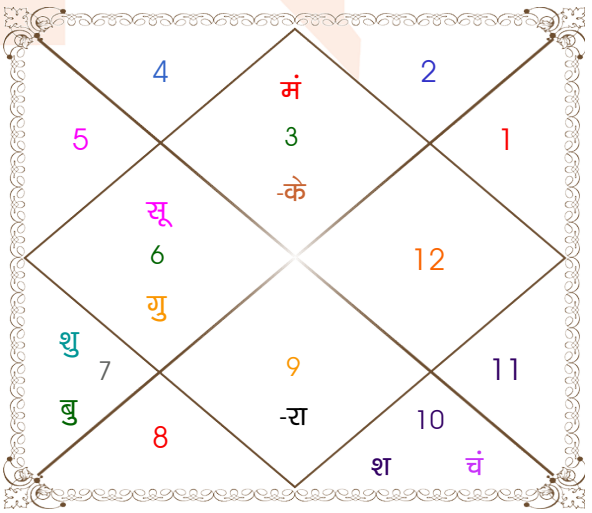

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

A का वर्ग सर्प है तथा Aतर्बीदेीनासं का वर्ग मार्जार हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और Aतर्बीदेीनासं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Archana shukla मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि A कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा Aतबींदॅ ीनासं में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।